



0649CH08

अष्टमः पाठः

सूचितस्तबकः

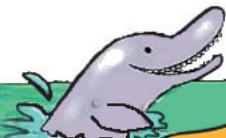
उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ॥1॥

पुस्तके पठितः पाठः जीवने नैव साधितः।
किं भवेत् तेन पाठेन जीवने यो न सार्थकः ॥2॥

प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ॥3॥

गच्छन् पिपीलको याति योजनानां शतान्यपि।
अगच्छन् वैनतेयोऽपि पदमेकं न गच्छति ॥4॥

काकः कृष्णः पिकः कृष्णः को भेदः पिककाकयोः।
वसन्तसमये प्राप्ते काकः काकः पिकः पिकः ॥5॥

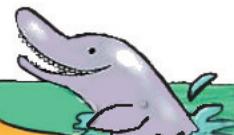




शब्दार्थः

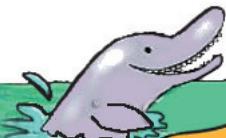


| | | |
|--------------------|-----------------------------|-------------------------|
| उद्यमेन | – परिश्रम से | by hard work |
| मनोरथैः | – मन की इच्छा से | desire/only by desiring |
| सिंहः | – शेर | lion |
| मृगाः | – हिरण/पशु | deers/animals |
| दरिद्रता | – दीनता/कृपणता | poverty |
| प्रियवाक्यप्रदानेन | – प्रिय वचन बोलने से | by using sweet words |
| तुष्यन्ति | – सन्तुष्ट/प्रसन्न होते हैं | get satisfied |
| मानवाः | – मनुष्य | human beings |
| तस्मात् | – इसलिये | therefore |
| वक्तव्यम् | – बोलना चाहिए | should be spoken |
| वचने | – बोलने में | in speaking |
| साधितः | – उपयोग किया | used |
| भवेत् | – होगा/होना चाहिए | should be |





| | | | |
|-----------|---|--------------------------------|---|
| सार्थकः | — | अर्थपूर्ण/प्रयोजन युक्त | meaningful |
| काकः | — | कौआ | crow |
| कृष्णः | — | काला | black |
| पिकः | — | कोयल | cuckoo |
| पिककाकयोः | — | कोयल और कौए में | between cuckoo and crow |
| प्राप्ते | — | आने पर | after getting |
| गच्छन् | — | जाता हुआ | while going |
| पिपीलकः | — | नर चींटी | ant (he) |
| याति | — | जाता है | goes |
| योजनानाम् | — | 4 कोसों का (लगभग 12 कि.मी.) | a measure of distance equal to 12 kms. |
| शतानि | — | सौ | hundreds |
| अगच्छन् | — | न चलते हुए | without movement |
| वैनतेयः | — | गरुड़ | garuda |





अभ्यासः



1. सर्वान् श्लोकान् सस्वरं गायत।
2. श्लोकांशान् योजयत-

क

तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यं
गच्छन् पिपीलको याति
प्रियवाक्यप्रदानेन
किं भवेत् तेन पाठेन
काकः कृष्णः पिकः कृष्णः

ख

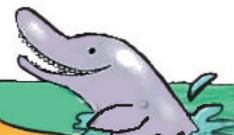
सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
जीवने यो न सार्थकः।
को भेदः पिककाकयोः।
योजनानां शतान्यपि।
वचने का दरिद्रता।

3. प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-

- (क) सर्वे जन्तवः केन तुष्यन्ति?
(ख) पिककाकयोः भेदः कदा भवति?
(ग) कः गच्छन् योजनानां शतान्यपि याति?
(घ) अस्माभिः किं वक्तव्यम्?

4. उचितकथनानां समक्षम् 'आम्' अनुचितकथनानां समक्षं- 'न' इति लिखत-

- (क) काकः कृष्णः न भवति।
(ख) अस्माभिः प्रियं वक्तव्यम्।
(ग) वसन्तसमये पिककाकयोः भेदः भवति।
(घ) वैनतेयः पशुः अस्ति।
(ङ) वचने दरिद्रता न कर्तव्या।





5. मञ्जूषातः समानार्थकानि पदानि चित्वा लिखत-

ग्रन्थे कोकिलः गरुडः परिश्रमेण कथने

| | |
|---------|-------|
| वचने | |
| वैनतेयः | |
| पुस्तके | |
| उद्यमेन | |
| पिकः | |

6. विलोमपदानि योजयत-

क

सार्थकः

कृष्णः

अनुक्तम्

गच्छति

जागृतस्य

ख

आगच्छति

श्वेतः

सुप्तस्य

उक्तम्

निरर्थकः

